सम्बन्धी अनुरोध मध्य प्रदेश सरकार से मई, 1984 में प्राप्त हुआ था। किन्तु विस्तृत प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। चूंकि मध्य प्रदेश राज्य में हथकरघों की संख्या अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है, इसलिए केन्द्रीय सरकार द्वारा मध्य प्रदेश में हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना सातवीं योजना अवधि के दौरान वरीयता की मद नहीं माना गया है।

विभिन्न परियोजनाओं की स्थापना हेतु भारत को विश्व बैंक का ऋण

988. **श्री विश्वासराव राम राव पाटिल** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विश्व बैंक वर्ष 1988-89 के दौरान विभिन्न परियोजनाओं की स्थापना के लिए भारत को ऋण देने पर सहमत हो गया है;

(ख) यदि हां, तो विश्व बैंक द्वारा कितना ऋण दिए जाने का विचार है तथा यह धनराशि किन-किन परियोजनाओं पर खर्च की जाएगी ;

(ग) क्या सरकार इस ऋण राशि में से कुछ राशि किसानों के उपयोग हेतु नलकूप लगाने के लिए रखने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) : (क) से (घ) जून, 1988 में हुई भारत सहायता संघ की बैठक में विश्व बैंक समूह ने 30 जून, 1989 को समाप्त होने वाले बैंक के राजकोषीय वर्ष 1989 के लिए 2.7 अरब डालर के संभावित स्तर की वचनबद्धता का संकेत दिया था। विश्व बैंक से अभी तक निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए वचनबद्धता प्राप्त की गई है :-

क्रम सं०	परियोजना का नाम	ऋण/उधार की राशि (करोड़ डालर)
1.	राष्ट्रीय बोर्ड तृतीय परियोजना	15
2.	राजस्थान सड़क परियोजना	25
3.	मध्य प्रदेश-झारखंड बिजली परियोजना	48.5
4.	व्यापार विकास प्रशिक्षण परियोजना	28
5.	पेट्रोलियम उत्पाद विपणन परियोजना	34

विशिष्ट परियोजना विवेशों का विस्तृत ब्योरा और विश्व बैंक के चालू वित्तीय वर्ष की शेष अवधि के लिए विश्व बैंक समूह की सहायता का क्षेत्रवार संयोजन अभी निश्चित नहीं है क्योंकि यह प्रत्येक परियोजना की तैयारी और उसकी जांच पड़ताल की स्थिति पर निर्भर करेगा।